सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै० हिन्दुस्तान टाइम्स, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक 06 JUN 2024

POLL PERSONNEL RECEIVED REMUNERATION VIA E-PAYMENT: UPCEO

Navdeep Rinwa FILE

LUCKNOW : The UP chief electoral officer (UPCEO) Navdeep Rinwa, on Thursday, at the end of the election process for the 2024 Lok Sabha polls, said that the elections were successfully accomplished and thanked all the voters, all personnel related to the election, including the security personnel, the political parties, all candidates, and the media.

In a statement, he said that during these polls, several new tech tools were incorporated into the election process such as 'the voters' helpline, C-Vigil, and some mobile phone tools.

The Model Code of Conduct was strictly implemented, and the enforcement agencies checked and acted on cases of illicit liquor seizure, cash seizure, and other related confiscations.

"I am extremely thankful to voters for exercising their franchise despite the severe summer heat. The voters proved that ultimately, it is the voters who are the real winners of the polls. Also, all the election duty personnel diligently worked despite the severe heat," he said. HTC

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै० अमर उजाला लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक 0 6 JUN 2024

लोकसभा चुनाव में खूब हुआ तकनीक का इस्तेमाल : रिणवा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं, निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों, सुरक्षाकर्मियों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का इस्तेमाल किया गया। वोटर हेल्प लाइन, सी-विजिल, वोटर टर्नआउट, सक्षम, सुविधा, केवाईसी जैसे मोबाइल एप का प्रयोग कर अनेक नवाचार किए गए। प्रत्येक मतदाता को अपना मत देने का अवसर मिले इसके लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावी प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया।

पहली बार निर्वाचन ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को ई-पेमेंट

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेशभर के सभी निर्वाचन कार्मिकों को पहली बार पारिश्रमिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ई-पेमेंट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राशि नकद दी जाती थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 मार्च से 4 जून के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया गया।

उन्होंने प्रचंड गर्मी में भी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं, ईमानदारी से काम करने वाले मतदान और मतगणना कार्मिकों और सुरक्षाबलों का भी आभार व्यक्त किया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक राष्ट्रीय सहारा लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

निर्वाचन कर्मियों को सीधे बैंक खाते में भेजी गयी धनराशि : रिणवा

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रयासों से 18वीं लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन में लगे प्रदेश भर के सभी निर्वाचन कार्मिकों को पहली बार पारिश्रमिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ई-पेमेन्ट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राशि नकद रूप से दी जाती थी। उन्होंने सभी मतदाताओं, निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने के लिए सभी मीडिया संस्थानों एवं उनके प्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त किया है।

■ सफल निर्वाचन के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं, कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों सहित मीडिया का जताया आभार

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का समावेश किया गया। वोटर हेल्प लाइन, सी-विजिल, वोटर टर्नआउट, सक्षम, सुविधा, केवाईसी जैसे मोबाइल ऐप का प्रयोग करके अनेक नवाचार भी किये गये। उन्होंने प्रदेश के सभी मतदाताओं को धन्यवाद करते हुए कहा कि मताधिकार का प्रयोग करके उन्होंने लोकतंत्र की इस परम्परा को समृद्ध एवं मजबूत किया है और प्रचंड गर्मी में भी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदाताओं ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि असली विजेता वास्तव में मतदाता ही है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हुई थी जो कि 04 जून को मतगणना के साथ सम्पन्न हुई। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया गया।

उन्होंने भीषण गर्मी व लू जैसी चुनौतियों में भी निर्वाचन के दायित्वों का पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से पालन करने वाले मतदान और मतगणना कार्मिकों का भी आभार व्यक्त किया है। सुरक्षा बलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने प्रदेश में मतदाताओं को सुचारू, शांतिपूर्ण और उत्सवी माहौल प्रदान करने, भीषण गर्मी व लू जैसी चुनौतियों का सामना करने और कानून-व्यवस्था को संभालने में समर्पण और प्रतिबद्धता दिखायी है। इसके साथ ही उन्होंने प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद दिया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० हिन्दुस्तान लखनऊ ..... दिनांक 06 JUN 2024

चुनाव ड्यूटी के लिए ऑनलाइन भुगतान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रयासों से 18वीं लोकसभा, विधानसभा उप चुनाव में लगे प्रदेश भर के सभी निर्वाचन कार्मिकों को पहली बार पारिश्रमिक की राशि सीधे बैंक खातों में ई-पेमेन्ट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राशि नकद रुप से दी जाती थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने यह जानकारी दी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै० आज, लखनऊ

06 JUN 2024

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक .....

सफल निर्वाचन के लिए मतदाताओं का आभार- मुख्य चुनाव अधिकारी

लखनऊ। 18वें लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के सफल और सकुशल समापन के बाद प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी मतदाताओं निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने के लिए सभी मीडिया संस्थानों एवं उनके प्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का समावेश किया गया। वोटर हेल्प लाइन, सी.विजिल, वोटर टर्नआउट, सक्षम, सुविधा, केवाईसी जैसे मोबाइल एप का प्रयोग करके अनेक नवाचार भी किए गये।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

0 6 JUN 2024

समाचार पत्र का नाम ......दै० दैनिक जागरण, लखनऊ.................. दिनांक ....

आज हट जाएगी आचार संहिता, सौंपे जाएंगे सर्टिफिकेट

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** देशभर में 16 मार्च से लागू लोकसभा चुनाव-2024 के लिए आदर्श आचार संहिता गुरुवार को समाप्त हो जाएगी। जीते हुए सभी 543 सांसदों के सर्टिफिकेट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंपने साथ ही आचार संहिता समाप्त हो जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति को सर्टिफिकेट देने के लिए चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार के साथ दोनों इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी जाएंगे। इसके बाद सरकार बनने समेत आगे की दूसरी तमाम कार्यवाही शुरू हो सकेगी।

आम चुनाव कराने में कुल कितना पैसा खर्च हुआ अभी इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। आयोग ने बताया कि इन आम चुनावों में कई नई चीजें हुईं। उसमें सबसे पहले सात चरणों में हुए मतदान में देश के 96.88 करोड़ मतदाताओं में से 64.20 करोड़ वोटरों ने वोट देकर विश्व रेकॉर्ड बनाया। जम्मू-कश्मीर में 40 साल बाद इतना अधिक मतदान हुआ। यहां की पांच लोकसभा सीटों पर ओवरऑल 58.58 फीसदी और घाटी में रेकॉर्ड 51.05 फीसदी मतदान हुआ। आयोग का दावा है कि घाटी के लोगों ने 40 साल बाद बिना किसी डर और भय के खुलकर वोट डाले। यहां के वोटरों के इस सकारात्मक रुख ने इस साल 30 सितंबर से पहले कराए जाने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की राह और आसान कर दी है।

इलेक्शन कमिश्नर प्रेजिडेंट को जीते हुए सांसदों के सर्टिफिकेट सौंपेंगे।

कमिशन ने यह भी बताया कि देश के सभी 36 राज्यों में शांतिपूर्वक चुनाव कराने के लिए 1.50 करोड़ से अधिक पोलिंग और सिक्यॉरिटी स्टाफ को तैनात किया गया था। उन्हें लाने-ले जाने के लिए 135 स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम किया गया। दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों में स्टाफ को पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टरों ने 1692 उड़ानें भरीं। चार लाख से अधिक गाड़ियों का चुनाव कराने में इस्तेमाल किया गया।

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

कैसे थे चुनाव के इंतज़ाम?

चुनाव आयोग का कहना है कि सारी चुनावी प्रक्रिया ईमानदारी, निष्पक्षता और मेहनत के साथ पूरी की गई। सात चरणों में हुई वोटिंग के बाद री-पोल कराने की नौबत बेहद कम आई। 2019 में वोटिंग कराने के बाद 540 जगहों पर दोबारा मतदान कराना पड़ा था। इस बार मात्र 39 जगह री-पोल कराना पड़ा। उनमें से अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 25 जगहों पर री-पोल कराना शामिल है। 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में री-पोल की नौबत नहीं आई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० हिन्दुस्तान लखनऊ ..... दिनांक ..... 06 JUN 2024

सभी 543 संसदीय सीटों के अंतिम परिणाम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिए। इसमें भाजपा को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर विजयी घोषित किया गया है।

अंतिम परिणाम महाराष्ट्र के बीड निर्वाचन क्षेत्र का घोषित किया गया। इस सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनवणे 6,553 मतों से जीते लोकसभा में 543 सदस्य हैं, लेकिन सूरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद 542 सीट के लिए मतगणना हुई।

भाजपा	240	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	3	केरल कांग्रेस	1
कांग्रेस	99	आम आदमी पार्टी (आप)	3	रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी	1
समाजवादी पार्टी (सपा)	37	झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)	3	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)	1
तृणमूल कांग्रेस	29	जनसेना पार्टी	2	वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी	1
द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके)	22	भाकपा (माले) (लिबरेशन)	2	जोरम पीपुल्स मूवमेंट	1
तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी)	16	जनता दल सेक्युलर (जेडीएस)	2	शिरोमणि अकाली दल	1
जनता दल यूनाइटेड (जदयू)	12	विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके)	2	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	1
शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे	9	भाकपा	2	भारत आदिवासी पार्टी	1
रांक्रापा (शरदचंद्र पवार)	8	राष्ट्रीय लोक दल (रालोद)	2	सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा	1
शिवसेना	7	नेशनल कॉन्फ्रेंस	2	मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम	1
लोक जनशक्ति पार्टी (आर)	5	यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल	1	आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)	1
युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी)	4	असम गण परिषद	1	अपना दल (सोनेलाल)	1
राष्ट्रीय जनता दल (राजद)	4	हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)	1	आजसू पार्टी	1
माकपा	4			एआईएमआईएम)	1
				निर्दलीय	7

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै०राष्ट्रीय सहारा लखनऊ ..... दिनांक ..... 0 6 JUN 2024

चुनाव नतीजों से छेड़छाड़ की कोशिश की थी हैकरों ने

■ रोशन

नई दिल्ली। एसएनबी

पूरा देश जब टीवी चैनलों और इंटरनेट पर टकटकी लगाए चुनाव परिणामों के ग्राफ को ऊपर नीचे होते देख रहा था उस समय दुनियाभर के साइबर हैकरों और भारत की नेशनल इंफॉरमेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के बीच महायुद्ध चल रहा था। हैकर चुनाव आयोग के चुनाव परिणाम वाले सर्वर पर अटैक पर अटैक कर रहे थे और एनआईआई उन्हें विफल करता चला गया। ज्यादा अटैक हुए तो एनआईसी को हाईवे बंद करना पड़ा और वैकल्पिक सर्वर स्थापित कर चुनाव आयोग को सर्वर उपलब्ध कराता ताकि चुनाव परिणाम निर्बाध गति से लोगों तक पंहुच सके।

इस बीच एनआईसी को केंद्र सरकार की बाकी साइटों को डाउन करना पड़ा। एनआईसी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इंटरसेवा और सर्वर उपलब्ध कराता है। सरकारी सूचनाएं गोपनीय और संवेदनशील होने के कारण एनआईसी सर्वर की सुरक्षा बेहद मजबूत है। चुनाव आयोग का सर्वर भी एनआईसी मैनेज करता है। देश में चार जून को मतगणना सुबह सात बजे से ही शुरू हो गई थी। देश-विदेश के हैकरों ने एनआईसी पर अटैक करने शुरू कर दिये। आयोग रियल टाइम आंकड़े जारी कर रहा था और टीवी चैनल ब्रेकिंग न्यूज बनाकर उसे दिखा रहे थे।

■ नेशनल इंफॉरमेटिक्स सेंटर ने जारी रखी सेवा

■ हाईवे बंद कर बनाया वैकल्पिक रूट

जैसे-जैसे काउंटिंग आगे बढ़ रही थी वैसे-वैसे काउंटिंग सेंटर के आंकड़े राज्यवार और लोकसभा क्षेत्र के अनुसार पूरे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर नजर आ जाते और यही मीडिया के लिए भी सबसे उबड़ा सोर्स था। लेकिन पर्दे के पीछे एक और युद्ध चल रहा था, इसकी जानकारी किसी किसी को नहीं थी। सूत्रों का कहना है कि हैकर एनआईसी सर्वर पर हमले चुनाव परिणाम को प्रभावित और बाधित करने के मकसद से कर रहे थे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० पायनियर, लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

73 WOMEN ELECTED TO LOK SABHA, LOWER THAN 2019

PIONEER NEWS SERVICE ■
NEW DELHI

A total of 73 women have won the Lok Sabha elections, a slight dip from 78 elected in 2019.

Of the total women MPs elected to the Lower House from across the country, West Bengal is leading with 11 female MPs.

A total of 797 women candidates had contested the elections with the BJP fielding the maximum at 69 followed by the Congress at 41.

This is the first election since the passage of the women's reservation bill in the Parliament to reserve one-third of seats in the Lok Sabha and state assemblies for women. The law is yet to come into effect.

According to an analysis of the Election Commission data, BJP's 30 women candidates won the polls this time, Congress' 14, TMC's 11, four of the Samajwadi Party's, three of the DMK, and two each of the JDU and LJP(R).

With over 13.44 per cent female MPs, the 18th Lok Sabha will have one of the highest number of women members since 1952.

The 17th Lok Sabha had the highest number of women parliamentarians at 78, constituting over 14 per cent of the total strength.

In the 16th Lok Sabha, 64 women were its members, while 52 women were elected to the 15th Lok Sabha.

BJP's Hema Malini, TMC's Mahua Moitra, NCP's Supriya Sule, and SP's Dimple Yadav retained their seats in the Lok Sabha polls, but candidates like Kangna Ranaut and Misha Bharati stole the show with their victories.

Samajwadi Party's 25-year-old candidate for Machhlishahr, Priya Saroj, and 29-year-old Iqra Choudhary of Kairana seat, were among the youngest nominees to secure a victory.

Notably, the parties like Naam Tamilar Katchi has achieved equal gender representation with 50 per cent women candidates.

Other parties with significant female representation included Lok Janshakti Party (Ram Vilas) and Nationalist Congress Party, each with 40 per cent women candidates.

The Jharkhand Mukti Morcha (JMM) and Biju Janata Dal

(BJD) both had 33 per cent female representation, while the Rashtriya Janata Dal (RJD) had 29 per cent. The Samajwadi Party had 20 per cent, and the Trinamool Congress (TMC) 25 per cent.

A total of 8,360 candidates were in the fray in the parliamentary polls.

Three transgender candidates contested the elections independently. But all of them lost in the polls. There were 24 women MPs each in the first and the second Lok Sabha.

Meanwhile, four candidates are set to become the youngest members of parliament (MPs) after scoring victory in the Lok Sabha polls. All of them are 25 years old. Pushpendra Saroj and Priya Saroj fought on Samajwadi Party's ticket, while Shambhavi Choudhary and Sanjana Jatav were fielded by the Lok Janshakti Party (LJP) and the Congress respectively.

Shambhavi Choudhary is the daughter of Ashok Choudhary, a minister in the Nitish Kumar cabinet in Bihar. She won from the Samastipur constituency after defeating her nearest rival — Sunny Hazari of Congress — by a comfortable margin. Sunny Hazari is the son of JD(U) minister Maheshwar Hazari.

Prime Minister Narendra Modi had earlier praised Shambhavi as the youngest NDA candidate while addressing a campaign rally.

Sanjana Jatav won from the Bharatpur constituency in Rajasthan. The 25-year-old defeated BJP's Ramswaroop Koli by a margin of 51,983 votes. She had also fought the 2023 assemby elections but lost to BJP's Ramesh Khedi by just 409 votes. Sanjana is married to Kaptan Singh — a Rajasthan police constable.

Pushpendra Saroj entered the political battlefield as a SP candidate from the Kaushambi parliamentary seat - previously held by the BJP. He won by defeating sitting BJP MP Vinod Kumar Sonkar by a margin of 103,944 votes. Pushpendra is the son of five-time MLA and former Uttar Pradesh Minister Inderjit Saroj.

Priya Saroj won from the Machhlishahr seat by a margin of 35,850 votes. She had been pitted against sitting BJP MP Bholanath. Priya is the daughter of three-time MP Toofani Saroj.

Two jailed on terror charges win Lok Sabha polls

PIONEER NEWS SERVICE
NEW DELHI

Two candidates currently lodged in prison on terror charges emerged winners in the just-concluded parliamentary election, giving rise to an unusual situation for the 18th Lok Sabha to be formed in the coming days.

While the law will keep them from attending the proceedings of the new House, they do have the constitutional right to take oath as Members of Parliament.

The Election Commission declared the results of the Lok Sabha polls on Tuesday. While radical Sikh preacher Amritpal Singh won Punjab's Khadoor Sahib seat, terror financing accused Sheikh Abdul Rashid, also known as Engineer Rashid, emerged victorious on Jammu and Kashmir's Baramulla seat. Engineer Rashid has been lodged in Tihar jail since August 9, 2019, on charges of terror financing.

Singh was arrested in April 2023 under the National Security Act and sent to the Dibrugarh prison in Assam.

The question now arises if these jailed newly elected MPs will be allowed to take the oath, and if yes, how. Explaining the legalities involved, Constitution expert and former Lok Sabha secretary general PDT Achari emphasised the importance of following the constitutional provisions in such cases. Being sworn in as a Member of Parliament is a constitutional right, he said.

But because they are currently in prison, Engineer Rashid and Singh must seek permission from authorities to be escorted to Parliament for the oath-taking ceremony. Once they have taken the oath, they will have to return to prison.

To further explain the legalities, Achari cited Article 101(4) of the Constitution which deals with the absence of members from both Houses of Parliament without prior sanction of the Chair.

He said after they have taken oath, they will write to the Speaker, informing him or her about their inability to attend the House. The Speaker will then refer their requests to the House Committee on Absence of Members.

The committee will recommend whether the member should be allowed to remain absent from House proceedings or not. The recommendation is then put to vote in the House by the Speaker.

If Engineer Rashid or Singh are to be convicted and jailed for a minimum of two years, they would lose their seats in the Lok Sabha immediately as per the Supreme Court judgment of 2013, which holds that MPs and MLAs would be disqualified in such cases.

This decision struck down section 8(4) of the Representation of the People Act, which earlier allowed convicted MPs and MLAs three months to appeal against their convictions.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमर उजाला लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

मतदान

राबर्ट्सगंज में सर्वाधिक 19 हजार से ज्यादा वोट नोटा में गए, झांसी 15 हजार से अधिक वोटों के साथ दूसरे नंबर पर

बुंदेलखंड और पूर्वांचल में नोटा का बटन सबसे ज्यादा दबा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नोटा का इस्तेमाल करने के मामले में राबर्ट्सगंज के मतदाता प्रदेश में अव्वल आए। यहां 19 हजार से ज्यादा वोट नोटा के पाले में गए। वहीं झांसी में 15000 से ज्यादा वोट नोटा में गए। मिर्जापुर, बहराइच, बांदा, कैसरगंज, कौशांबी में भी खूब नोटा पड़ा। ट्रेंड देखें तो पूर्वांचल के मतदाताओं ने सबसे ज्यादा नोटा का प्रयोग किया। बुंदेलखंड ने भी नोटा का बटन दबाकर नाराजगी का इजहार किया।

नोटा का डाटा

आगरा	7014	बांसगांव	9021	फरुखाबाद	4365	हाथरस	6299
अकबरपुर	7649	बाराबंकी	8221	फतेहपुर	8120	जालौन	11154
अलीगढ़	4934	बरेली	6260	फतेहपुर सीकरी	7793	जौनपुर	6329
इलाहाबाद	9952	बस्ती	7761	फिरोजाबाद	5279	झांसी	15302
अंबेडकरनगर	7448	भदोही	11229	जौनी नगर	10324	कैराना	3249
अमेठी	9383	बिजनौर	4446	गाजियाबाद	8211	कैसरगंज	14887
अमरोहा	5900	बुलंदशहर	6925	गाजीपुर	9065	कन्नौज	4818
आंवला	6858	चंदौली	9005	घोसी	3518	कानपुर	4117
आजमगढ़	6234	देवरिया	10212	गोंडा	9055	कौशांबी	12967
बदायूं	8562	धौरहरा	7144	गोरखपुर	7681	खीरी	7931
बागपत	5110	डुमरियागंज	9447	हमीरपुर	13453	कुशीनगर	9782
बहराइच	12864	एटा	5156	हरदोई	8814	लालगंज	7094
बलिया	8187	इटावा	6266				
बांदा	13235	फैजाबाद	7536				
				लखनऊ	7350	प्रतापगढ़	2891
				मछलीशहर	9303	रायबरेली	7872
				महाराजगंज	9745	रामपुर	5653
				मैनपुरी	4582	राबर्ट्सगंज	19032
				मथुरा	4563	सहारनपुर	4566
				मेरठ	4776	सलेमपुर	7549
				मिर्जापुर	15049	संभल	7217
				मिश्रिख	8029	संत कबीरनगर	9227
				मोहनलाल गंज	8866	शाहजहांपुर	8490
				मुरादाबाद	5824	श्रावस्ती	9872
				मुजफ्फरनगर	3916	सीतापुर	6958
				नगीना	5307	सुल्तानपुर	1369
				फूलपुर	5460	उन्नाव	9453
				पीलीभीत	6741	वाराणसी	8478

अलीगढ़, बागपत, बिजनौर, एटा, घोसी, कैराना और शाहजहांपुर के मतदाताओं ने नोटा का सबसे कम इस्तेमाल किया। वहीं अकबरपुर, अंबेडकरनगर, अमेठी, बाराइच, बांदा, बांसगांव, भदोही, डुमरियागंज, गौतमबुद्धनगर, बांसगांव, गोंडा, हमीरपुर, जालौन, कैसरगंज, कुशीनगर और महाराजगंज आदि में सबसे ज्यादा नोटा के बटन दबाए गए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

जीत का अंतर कम होने की वजह तलाशने के लिए कार्यकर्ताओं से होगी रायशुमारी

लखनऊ में 2.75%, मोहनलालगंज में 6.2% वोटों ने किया बड़ा उलटफेर

सियासी गणित

■ विनोद पांडेय

लखनऊ। लखनऊ संसदीय क्षेत्र की बात करें तो 2019 में 54.72 और 2024 में 52.28 फीसदी मतदान हुआ। 2019 में भाजपा को 633026 मिले। कुल मतदान में हिस्सेदारी 56.64 फीसदी थी। 2024 में मतदान कम हुआ तो वोटों की हिस्सेदारी कम हो गई। इस बार राजनाथ सिंह को 612709 मत मिले। कुल मतदान में हिस्सेदारी 53.89 फीसदी रही। पिछले चुनाव के मुकाबले 20317 वोट कम मिले। यह पिछले चुनाव के मुकाबले 2.75 फीसदी कम है। लखनऊ में राजनाथ सिंह को बहुत कम वोट नहीं मिला लेकिन विरोधी दलों के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ। यही वजह रही कि जीत का अंतर कम हो गया।

मोहनलालगंज में 6.2 फीसदी कम वोट मिले: मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र की स्थिति इससे उलट है। 2019 के चुनाव में यहां कम मतदान हुआ था तो भाजपा को 49.58 फीसदी वोट मिले थे। इस बार यहां ज्यादा मतदान हुआ तो 43.38 फीसदी वोट मिले। यह पिछले चुनाव के मुकाबले 6.2 फीसदी कम है। पिछले चुनाव में कौशल किशोर को 629999 तथा इस चुनाव में 597577 वोट मिले। यह पिछले चुनाव के मुकाबले 32422 वोट कम है। कुल पड़े वोट के हिसाब से देखें तो यहां भाजपा की हिस्सेदारी कम हुई है। उधर, सपा ने क्लीनस्वीप कर दिया। आरके चौधरी 667869 वोट बटोरने में कामयाब हो गए। यह कुल मतदान का 48.49 फीसदी है। कौशल किशोर और आरके चौधरी के बीच 5.11 फीसदी वोटों का अंतर है। कुल पड़े मतों के मुकाबले 6 फीसदी कम वोट ने बड़ा उलटफेर कर दिया।

2019

भाजपा	633026
सपा	285724
कांग्रेस	180011
नोटा	7416

2014

भाजपा	561106
कांग्रेस	288357
सपा	56771
बसपा	64494

2024

612709	477550	30192
सपा	भाजपा	बसपा

भाजपा खेमे में वोट खिसकने की पड़ताल शुरू

लखनऊ। लखनऊ की दोनों संसदीय क्षेत्रों में अपेक्षित वोट न मिलने से भाजपा संगठन में बेचैनी है। पता लगाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा कैसे हो गया। कहां चूके और कहां कमियां रह गईं।

जनता के बीच सबसे अधिक रहने वाले कार्यकर्ता चुनावी माहौल भांपने में कैसे नाकामयाब रहे। हालांकि संगठन के लोग दलील दे रहे हैं कि वोट कम नहीं मिला। पिछले चुनाव से इस बार करीब दो फीसदी कम मतदान हुआ तो वोट शेयर भी कम हो गया। भाजपा संगठन के लोगों की दलील है कि पार्टी का वोटबैंक कम नहीं हुआ। पिछले चुनाव में जितना वोट मिला था, लगभग उतने मत इस चुनाव में भी मिले। यह जरूर मानते हैं कि वोट बढ़ा नहीं पाए। यह उम्मीद नहीं थी कि जहां थे वहीं रह जाएंगे। यह भी दलील दी जा रही है कि कार्यकर्ता अति उत्साह में रहे। यह पता लगाने में कामयाब नहीं हुए कि निचले स्तर पर क्या चल रहा है। भाजपा के कई नेताओं का कहना है कि इस बात की भी पड़ताल होगी कि हम नए मतदाता जोड़ नहीं पाए या पुराने मतदाता हमसे अलग हो गए। इनमें से कोई न कोई वजह निकलकर आएगी।

विरोधी दलों के वोटों का बंटवारा रुका

दलील है कि विपक्षी दलों के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ। इसके चलते जितनी उम्मीद थी, उतना वोट नहीं मिला। कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि राजनाथ ने लखनऊ में बड़े-बड़े कार्य कराए। व्यक्तिगत सुविधाओं पर हम ध्यान नहीं दे पाए। सड़क बन गई तो सबके काम आएगी लेकिन आयुष्मान कार्ड जिसका बन गया वह तो हमेशा इस्तेमाल करेगा। कुछ दलील दे रहे हैं कि सरकारी सुविधाएं दूसरे लोग उठा ले गए और अपने लोगों को नहीं मिलीं।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

पश्चिम-उत्तर विधानसभा में एक तरफा डाले गए वोट

लखनऊ। लखनऊ पश्चिम और लखनऊ उत्तर विधानसभा सीट के कई इलाकों में एनडीए या इंडिया प्रत्याशी को एकतरफा वोट मिले। बड़ी वजह विश्लेषक ध्रुवीकरण को मान रहे हैं। लखनऊ पश्चिम विधान सभा के आजादनगर बूथ संख्या 131 से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को मात्र 20 वोट मिले, इसी बूथ पर सपा के रविदास ने 732 वोट हासिल किए।

भमरौली शाहपुर बूथ संख्या 27 से भाजपा को 494, सपा को 72 वोट मिले। आसपास के मोहल्लों में कितना अंतर रहा, इसका उदाहरण है कि बादशाहखेड़ा के बूथ संख्या 104 पर भाजपा को 150, सपा को 452 वोट मिले। बूथ संख्या 105 पर इसके उलट भाजपा को 456 तो सपा को 90 वोट मिले। गढ़ीपीर खां बूथ संख्या 212 पर भाजपा को 78 वोट मिले तो इसी बूथ पर सपा को 656 वोट दिए गए।

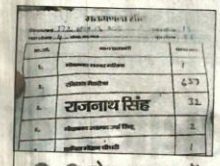

20 वोट आजादनगर में राजनाथ तो रविदास को 732 वोट मिले

काजमैन, चौक समेत कई क्षेत्रों में बड़ा अंतर

उत्तर विधानसभा के कुछ मोहल्ले ऐसे रहे, जहां एक पटरी ने सपा तो दूसरी ने एकतरफा भाजपा को वोट दिया। कहीं एक ही गली में सड़क के इस पार, उस पार के रहने वालों ने एक तरफा वोट दिया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै०राष्ट्रीय सहारा लखनऊ दिनांक 0 6 JUN 2024

पांच हजार से भी कम वोटों से जीते आधा दर्जन सांसद

■ हमीरपुर में सबसे कम तो गौतमबुद्धनगर में रहा सबसे ज्यादा जीत का अंतर

लखनऊ (एसएनबी)। किसी भी चुनाव में एक-एक वोट की क्या कीमत होती है, इसका जीता-जागता उदाहरण मंगलवार को हुई लोकसभा सीटों की मतगणना में देखने को मिला। इस चुनाव में हमीरपुर लोकसभा सीट पर सबसे कम 2629 वोटों के अंतर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल की तो गौतमबुद्धनगर में भाजपा के प्रत्याशी ने 559472 वोटों के अंतर से जीत हासिल कर उत्तर प्रदेश में रिकार्ड मतों से जीतने का गौरव बनाया।

लोकसभा चुनाव मतदान के बाद हुई मतगणना के दौरान कई सीटों पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। प्रदेश की आधा दर्जन सीटें ऐसी रहीं जिनमें जीत-हार का अंतर पांच हजार से भी कम रहा। हमीरपुर लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजेन्द्र सिंह लोधी ने भाजपा के कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को मात्र 2629 मतों से हराकर जीत हासिल की है। यह प्रदेश में सबसे कम मतों के अन्तर से जीतने वाली सीट है। अजेन्द्र सिंह को 490683 मत मिले तो कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह को 488054 मत हासिल हुए। इसी तरह फर्रुखाबाद सीट पर भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने 2678 मतों से सपा प्रत्याशी डा. नवल किशोर शाक्य को पराजित किया। मुकेश राजपूत को 487963 मत मिले तो डा. नवल किशोर शाक्य को 485285 मत मिले हैं।

बांसगांव सीट पर भी भाजपा को महज 3150 मतों के अंतर से जीत हासिल हुई है। यहां भाजपा के कमलेश पासवान को 428693 मत मिले हैं तो कांग्रेस के सदल प्रसाद को 425543 मत मिले। सलेमपुर लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी रमाशंकर राजभर को महज 3573 मतों से जीत हासिल हुई है। यहां रमाशंकर राजभर को 405472 मत मिले वहीं भाजपा के रविन्दर कुशवाहा को 401899 मत मिले। इसी तरह फूलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रवीण पटेल ने महज 4332 मतों के अंतर से जीत हासिल की। यहां प्रवीण पटेल को 452600 मत मिले तो सपा के अमरनाथ सिंह मौर्य को 448268 मत ही मिले। इसके अलावा धौरहरा सीट पर सपा को महज 4449 मतों से जीत हासिल हुई। यहां सपा के आनन्द भदौरिया को 443743 मत मिले तो भाजपा की रेखा वर्मा को 439294 मत ही हासिल हुए। इसी तरह गौतमबुद्धनगर सीट पर उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मतों से जीतने का रिकार्ड भी बना है। यहां पर भाजपा के डा. महेश शर्मा ने 857829 मत पाकर 559472 मतों के अंतर से जीत हासिल की है। यहां पर सपा प्रत्याशी डा. महेन्द्र सिंह नागर को महज 298357 मत ही मिल सके।

जीत का दूसरा रिकार्ड कांग्रेस के राहुल गांधी ने रायबरेली सीट पर बनाया है। इन्होंने 687649 मत हासिल कर भाजपा सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को 390030 के अंतर से पराजित किया। दिनेश प्रताप सिंह को महज 297619 मत ही हासिल हो सके। इसके बाद गाजियाबाद का नम्बर आता है। यहां पर भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग ने कांग्रेस की डाली शर्मा को 336965 मतों के अंतर से पराजित किया।

अतुल गर्ग को 854170 मत तो डाली शर्मा को 517205 मत ही मिले। भाजपा की हेमामालिनी ने भी मथुरा सीट से कांग्रेस के मुकेश धनगर को 293407 मतों के अंतर से पराजित किया। यहां हेमामालिनी को 510064 मत मिले तो मुकेश धनगर को 216657 मत ही मिले। इसके साथ ही बुलन्दशहर में जीत हार का अंतर 275134, आगरा में 271294, मैनपुरी में 221639, बाराबंकी में 215704 रहा है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश; लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

चार तक प्रत्याशियों को देना होगा खर्च का ब्योरा

जासं • लखनऊ : मतों की गिनती और नतीजों के आने के साथ ही लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया खत्म होने को है। प्रशासन ने सभी प्रत्याशियों को चार जुलाई तक चुनावी खर्च का ब्योरा देने को कहा है। लखनऊ और मोहनलालगंज लोकसभा के प्रत्याशियों ने अब तक अपने चुनाव खर्च का हिसाब किताब पर्यवेक्षकों को नहीं दिया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से सभी प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर गत नामांकन से लेकर मतदान की तिथि तक तीन तारीखों में खर्च का ब्योरा मांगा था। आयोग ने चुनाव प्रचार में इस्तेमाल की जाने वाली प्रत्येक चीज की दर तय कर रखी है। आयोग द्वारा तय की गई दर के हिसाब से ही प्रत्याशी खर्च कर सकता था। सभी तरह के लेनदेन केवल बैंक से ही मान्य होंगे। अगर प्रत्याशी खर्च का ब्योरा नहीं देते हैं तो आयोग कार्रवाई कर सकता है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स लखनऊ दिनांक 06 JUN 2024

'सिलेक्शन' की जगह इलेक्शन तो हजारों में सिमटी लड़ाइ

Premshanker.Mishra
@timesgroup.com

2019 के मुकाबले एक-तिहाई उम्मीदवार भी नहीं पार कर पाए 50% वोटों की दीवार

17 सीटों पर ही 50% वोट मिले विजेता को इस बार

19 को 2014 में मिले थे 50% से अधिक वोट

55 प्रत्याशियों ने 2019 में पार किया था 50 का आंकड़ा

09 विजेता ही 50% वोट हासिल कर पाए थे 2019 में

■ लखनऊ : यूपी में इस बार जनता 'सिलेक्शन' नहीं इलेक्शन के मूड में थी इसलिए जिन सीटों को अजेय दुर्ग समझ जाता था, वहां की दीवारों में भी इस बार खतरे की दरारें पड़ती नजर आईं। पिछले चुनाव में जिन सीटों पर जीत का अंतर 2 से 3 लाख तक था, वहां इस बार फैसला महज कुछ हजार वोटों में सिमट गया। लड़ाई इतनी नजदीकी रही कि 50% वोटों का बैरियर पार करने में उम्मीदवारों को पसीने छूट गए। पिछले चुनाव के मुकाबले एक-तिहाई उम्मीदवार भी अपनी सीट पर आधा वोट हासिल नहीं कर सके।

यूपी में 2019 और 2024 दोनों ही लोकसभा चुनाव बाई पोलर रहे। पिछली बार सपा-बसपा गठबंधन बनाम भाजपा गठबंधन था और कांग्रेस जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दी थी। इस बार चुनाव सपा-कांग्रेस बनाम भाजपा गठबंधन रहा और बसपा जमीन पर असर नहीं डाल पाई। उसके वोट काफी हद तक विपक्ष व कुछ हद तक सत्ता पक्ष की ओर ट्रांसफर होते नजर आए। इसका असर यह रहा कि हर सीट पर एक-एक वोट समेटने की लड़ाई की नौबत आ गई। इसलिए जीत का अंतर भी घटता नजर आया।

6 सीटों पर फैसला 5 हजार से भी कम वोटों से : इस बार 6 लोकसभा सीटें ऐसी थी जहां जीत का अंतर 5 हजार से भी कम रहा। इसमें धौरहरा, हमीरपुर, सलेमपुर, फर्रुखाबाद, सलेमपुर व बांसगांव शामिल थीं। तीन सीटें सपा के खाते में गईं और तीन भाजपा को मिलीं। 20 सीटें ऐसी जहां जीत का अंतर 30 से 50 ह के भीतर रहा। 2019 के मुकाबले संख्या 5 गुनी है।

कुछ ऐसा रहा जीत का अंतर

अंतर	2014	2019	2024
1,000-10,000	01	04*	06
11,000-30,000	02	08	08
31,000-50,000	05	04	20
51,000-1 लाख	11	14	17
1 लाख से अधिक	24	25	20
2 लाख से अधिक	24	15	06
3 लाख से अधिक	10	06	02
4 लाख से अधिक	02	03	00
5 लाख से अधिक	01	01	01

(*2019 में मछलीशहर सीट पर महज 181 वोटों से फैसला हुआ था।)

विपक्ष के खाते में अधिक रही बड़ी जीत

इस बार वोटों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी जीत गौतमबुद्धनगर से महेश शर्मा की रही लेकिन वोट शेयर के लिहाज से देखा जाए तो रायबरेली से राहुल गांधी पहले पायदान पर रहे। उन्हें 66% से अधिक वोट मिले हैं। इस बार केवल 20 उम्मीदवारों ने 1 लाख वोटों से अधिक की जीत हासिल की है। इसमें 12 स व 1-1 कांग्रेस व आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार रहे। भाजपा महज 6 सीटों पर ही 1 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज कर पाई। 2 लाख से अधिक वोट स जीत दर्ज करने वालों की संख्या पिछली बार के मुकाबले 40% रह गई। हालां इस श्रेणी के 6 उम्मीदवारों में 4 भाजपा के हैं। मथुरा से हेमा मालिनी, आगरा से एसपी सिंह बघेल, बुलंदशहर से भोला सिंह और हाथरस से अनूप वाल्मीकि की जीत का अंतर 2 लाख से अधिक रहा। कांग्रेस के तनुज पुनिया व सपा की डिंप यादव ने भी 2 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की।

Thursday, June 6, 2024

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दैo राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक 06 JUN 2024

विधानसभा में नहीं दिखेंगे सांसद बने नौ विधायक

■ कमल तिवारी
लखनऊ। एसएनबी

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद यूपी में छह महीने के भीतर एक और चुनाव की बुनियाद पड़ गयी है। इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के नौ व विधान परिषद के एक सदस्य ने लोकसभा चुनाव जीता है। इन सभी के देश की सबसे पड़ी पंचायत में जाने के बाद उनके रिक्त क्षेत्रों में विधानसभा के उप चुनाव होंगे और सदन की पूरी तस्वीर ही बदल जाएगी। इनमें नेता विरोधी दल अखिलेश यादव भी शामिल हो सकते हैं। वह भी कन्नौज से लोकसभा के लिए चुने गये हैं। अभी आगे उनको यह तय करना कि सांसद रहेंगे या विधायक। वैसे भी लोकसभा के साथ यूपी में 4 विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव में भाजपा व सपा ने दो-दो सीट जीती हैं।

■ फिर बजेगा उपचुनाव का बिगुल

■ लोकसभा चुनाव में उतरे थे 15 विधायक व तीन एमएलसी

लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले छह विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। लोकसभा चुनाव के बाद फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मीरापुर, अयोध्या, करहल, कटेहरी, कुंदरकी, मझावन में उप चुनाव होना तय है। फूलपुर के विधायक प्रवीण पटेल इसी लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुने गये हैं। योगी सरकार में मंत्री व अलीगढ़ की खैर सीट से विधायक अनूप प्रधान भी अब लोकसभा में नजर आयेंगे। गाजियाबाद से विधायक अतुल गर्ग भी सांसद बन गये हैं। वह योगी सरकार में मंत्री भी रहे है और केन्द्र की मोदी सरकार के लिए भी जुगत में हैं। भदोही की मंझवान सीट से विधायक विनोद कुमार बिंद भी अब सांसद चुने गये हैं और इस सीट पर भी उप चुनाव की बुनियाद तैयार हो गयी है।

आरएलडी के विधायक चंदन चौहान के सांसद बन जाने से मीरापुर विधानसभा सीट पर भी उप चुनाव होगा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अभी करहल सीट से विधायक हैं और उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विरोधीदल भी। वह कन्नौज से लोकसभा सदस्य चुने गये हैं। उनके करहल सीट खाली करने पर यहां भी उप चुनाव हो सकता है। इसी तरह फैजाबाद से सांसद चुने गये अवधेश प्रसाद भी अब यूपी विधानसभा में अगली कतार में नहीं दिखेंगे। उनकी विधायकी की सीट खाली होने पर उप चुनाव होगा।

अम्बेडकरनगर की कटेहरी विधानसभा सीट से विधायक लालजी वर्मा को विधानसभा में कई रूप में भूमिका रहती थी, लेकिन वह भी सांसद बन चुके हैं और उनकी सीट रिक्त होने पर चुनाव होगा और विपक्ष की बेंच पर अब वह नहीं दिखेंगे। इसी कड़ी में मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर भी उप चुनाव होना तय है। यहां के विधायक जियाउररहमान संभल लोकसभा सीट पर जीत दर्ज कर चुके हैं। इस बार यूपी विधान परिषद के तीन सदस्य चुनाव मैदान में थे। इनमें पीलीभीत से जीत दर्ज कर जितिन प्रसाद लोकसभा पहुंच गये हैं। उनके लोकसभा चुने जाने से योगी कैबिनेट में भी बदलाव होगा। भले ही अभी उनके काम किसी अन्य मंत्री के जिम्मे कर दिये जाएंगे। श्री प्रसाद केन्द्र में मंत्री भी रह चुके हैं और इस बार मोदी-3 में भी उनके मंत्री बनने की चर्चाएं शुरू हो गयी हैं। दो एमएलसी साकेत मिश्र व दिनेश प्रताप सिंह को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही विधायक रविदास मेहरोत्रा, रिंकी कोल, वीरेन्द्र चौधरी, ओम कुमार को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै० आज, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक 06 JUN 2024

यूपी के आठ विधायकों समेत विधानमंडल के नौ सदस्य बने सांसद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आठ विधायकों समेत विधानमंडल के नौ सदस्यों ने लोकसभा चुनावों में जीत दर्ज की है। इससे प्रदेश में एक मिनी विधानसभा चुनाव की संभावना बन गई है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश से 13 विधायकों और चार विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने लोकसभा चुनाव लड़ा था। इनमें से एक विधान परिषद सदस्य और आठ विधायकों ने जीत हासिल की जबकि तीन एमएलसी और पांच विधायकों को पराजय का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले विधान मंडल सदस्यों की सीटों पर उपचुनाव कराना होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, समाजवादी पार्टी ने राज्य की 80 में से सबसे अधिक 37 लोकसभा सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। भाजपा ने 33 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल और अपना दल (सोनेलाल) ने क्रमशः दो और एक सीट जीती। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने एक सीट पर जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश में चुनाव हारने वाले मौजूदा विधायकों की संख्या पाँच है, जबकि लोकसभा चुनाव में विजयी होने वाले एकमात्र एमएलसी उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद हैं, जिन्होंने पीलीभीत लोकसभा सीट से जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 1,64,935 मतों के अंतर से हराया। उत्तर प्रदेश के अन्य मंत्री, जो जीत हासिल करने में कामयाब रहे उनमें हाथरस सीट से राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान बाल्मीकि ने 2,47,318 मतों के अंतर से जीत हासिल की। अनूप प्रधान बाल्मीकि अलीगढ़ जिले के खैर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। लोकसभा चुनाव हारने वाले एक अन्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह हैं। बागवानी, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सिंह रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से 3,90,030 मतों के अंतर से हार गए। दिनेश प्रताप सिंह एमएलसी हैं। उत्तर प्रदेश के अन्य एमएलसी सकेत मिश्रा हैं। वह श्रावस्ती सीट से सपा के राम शिरोमणि वर्मा से 76,673 मतों से हार गए। बहुजन समाज पार्टी के एमएलसी भीमराव अंबेडकर को हरदोई सीट से भाजपा के जयप्रकाश के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। मैनपुरी सदर सीट से विधायक और उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह मैनपुरी लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव से 2,21,639 मतों के अंतर से हार गए। मैनपुरी जिले के करहल विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से जीत दर्ज की, उन्होंने भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,70,922 मतों के अंतर से हराया। अपनी-अपनी सीटों से जीत हासिल करने वाले अन्य सपा विधायकों में मुरादाबाद के कुंदरकी से विधायक जियाउर रहमान शामिल हैं। उन्होंने संभल लोकसभा सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखा। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के परमेश्वर लाल सैनी को 1,21,494 मतों से हराया। इसी तरह, अंबेडकरनगर के कटेहरी से विधायक वरिष्ठ सपा नेता लालजी वर्मा ने अंबेडकर नगर लोकसभा सीट पर भाजपा के रितेश पांडे को 1,37,247 मतों के अंतर से हराया। महराजगंज जिले के फरेंदा से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने महराजगंज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था मगर वह केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से 35,451 मतों से हार गए। अपनी-अपनी लोकसभा सीटों से जीतने वाले अन्य भाजपा विधायकों में फूलपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल भी शामिल हैं। उन्होंने प्रयागराज जिले की फूलपुर लोकसभा सीट 4,332 मतों के अंतर से जीतकर अपने नाम की। इसी तरह गाजियाबाद विधानसभा सीट से भाजपा विधायक अतुल गर्ग ने गाजियाबाद लोकसभा सीट 3,36,965 मतों से जीती। निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद ने भाजपा के टिकट पर भदोही लोकसभा सीट 44,072 मतों के अंतर से जीती। विनोद कुमार बिंद मिर्जापुर जिले की मझवां विधानसभा सीट से विधायक हैं। मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर विधानसभा सीट से राष्ट्रीय लोकदल के विधायक चंदन चौहान ने बिजनौर लोकसभा सीट 37,508 मतों से जीती। बिजनौर जिले के नहटौर से भाजपा विधायक ओम कुमार आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर से 1,51,473 मतों से हार गए। इसी तरह, मिर्जापुर जिले के छानबे से अपना दल (सोनेलाल) की विधायक रिंकी कोल रॉबर्ट्सगंज (एससी) सीट से सपा के छोटेलाल से 1,29,234 वोटों से हार गईं। राष्ट्रीय लोक दल और अपना दल (सोनेलाल) भाजपा के गठबंधन सहयोगी हैं। लखनऊ (मध्य) से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से 1,35,159 वोटों से हार गए। लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए विधानसभा उपचुनावों में भाजपा ने लखनऊ-पूर्वी और ददरौल (शाहजहांपुर जिले में) विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की, जबकि सपा गैंसड़ी और दुद्धी विधानसभा क्षेत्रों में विजयी हुई।

9 सीटों पर होगा उपचुनाव

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....दै0 पॉयनियर, लखनऊ.... दिनांक ....06 JUN 2024....

UP to face assembly bypolls for 8 seats

PTI ■ LUCKNOW

With as many as nine legislators from Uttar Pradesh including eight MLAs registering a win in the ongoing Lok Sabha elections, a sort of mini-assembly election is on the anvil in the state which threw surprising poll results on Tuesday.

Altogether, 13 MLAs and four MLCs contested the Lok Sabha elections from the politically crucial state of UP.

Eight legislators including three MLCs eventually ended up losing the elections. Apart from these three MLCs who lost the Lok Sabha polls, luck did not smile on five MLAs of UP also.

According to the Election Commission of India, the Samajwadi Party (SP) bagged 37 out of 80 seats, the highest number of Lok Sabha seats in the state, while its ally the Congress bagged six seats.

The BJP won 33 seats, while its allies, the Rashtriya Lok Dal (RLD) and the Apna Dal (Sonelal), won two seats and one seat respectively. The Aazad Samaj Party (Kanshi Ram) clinched victory in one constituency.

The number of sitting MLAs in UP who lost the election stands at five, while the lone MLC who emerged victorious in the ongoing Lok Sabha election from the state was UP's PWD minister Jitin Prasada, who registered a win from Pilibhit Lok Sabha seat, defeating his nearest rival by a margin of 1,64,935 votes.

The other minister from UP who managed to secure a win was Anoop Pradhan 'Balmiki', the minister of state for revenue from Hathras (SC) seat, by a margin of 2,47,318 votes. 'Balmiki' is an MLA from Khair assembly constituency in Aligarh district.

The other ministers of UP who lost the Lok Sabha elections are Dinesh Pratap Singh, minister of state (independent charge) for horticulture, agricultural marketing, agricultural foreign trade and agricultural exports, who lost to former Congress president Rahul Gandhi by a margin of 3,90,030 votes from the Rae Bareli Lok Sabha seat.

Dinesh Pratap Singh is an MLC. The other MLCs from UP who lost the Lok Sabha elections are Saket Mishra from Shrawasti, who lost to Ram Shiromani Verma of the SP by 76,673 votes; and BSP's Bhimrao Ambedkar, who lost to BJP's Jai Prakash from Hardoi (SC) seat. Ambedkar finished as the second runner up.

UP Tourism and Culture minister Jaiveer Singh, who is an MLA from Mainpuri assembly constituency, lost to sitting MP from Mainpuri parliamentary constituency Dimple Yadav of the SP by a margin of 2,21,639 votes.

SP chief Akhilesh Yadav, who is the sitting MLA from Karhal assembly constituency in Mainpuri district, registered a win from Kannauj Lok Sabha seat, defeating BJP's Subrat Pathak by a margin of 1,70,922 votes. The other SP MLAs who clinched victory from their respective seats are Ziaur Rehman from Kundarki in Moradabad, who helped the party retain the Sambhal Lok Sabha seat, as he defeated his BJP rival Parameshwar Lal Saini by 1,21,494 votes.

Similarly, senior SP leader Lalji Verma, who is the MLA from Katehari in Ambedkarnagar, won the Ambedkar Nagar Lok Sabha seat by a margin of 1,37,247 votes, defeating BJP's Ritesh Pandey, who had joined the party after leaving the BSP.

Congress MLA from Pharenda in Maharajganj district, who contested the Lok Sabha polls from Maharajganj parliamentary constituency, lost to Union minister Pankaj Chaudhary by 35,451 votes. The other BJP MLAs who won from their respective Lok Sabha seats are Praveen Patel, the BJP MLA from Phulpur assembly constituency, who bagged the Phulpur Lok Sabha seat in Prayagraj district by winning with a margin of 4,332 votes. Similarly, BJP MLA from Ghaziabad assembly seat Atul Garg won the Ghaziabad Lok Sabha seat by 3,36,965 votes.

NISHAD party MLA Vinod Kumar Bind won the Bhadohi Lok Sabha seat on a BJP ticket by a margin of 44,072 votes. Bind is the MLA from Majhawan assembly constituency in Mirzapur district. RLD MLA from Meerapur assembly constituency in Muzaffarnagar district Chandan Chauhan won the Bijnor Lok Sabha seat by 37,508 votes, BJP MLA from Nehtaur in Bijnor district Om Kumar lost to Chandrashekhar of Aazad Samaj Party (Kanshi Ram) by 1,51,473 votes. Similarly, Rinki Kol, who is also the MLA of Apna Dal (Sonelal) from Chhanbey in Mirzapur district, lost to SP's Chhotelal by 1,29,234 votes from the Robertsganj (SC) seat.

RLD and Apna Dal (Sonelal) are alliance partners of the BJP.

In the assembly bypolls held alongwith the Lok Sabha polls, the BJP won the assembly constituencies of Lucknow East and Dadraul while the SP emerged victorious in Gainsari and Duddhi (ST) constituencies.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 पॉयनियर, लखनऊ दिनांक 10 6 JUN 2024

Samajwadi Party president Akhilesh Yadav receives his victory certificate after winning the Lok Sabha election from Kannauj constituency. PTI